Mercredi 27 février 2013

HIN1B08b

(Compréhension de l'écrit)

Cours – 5

1. Donnez l'antonyme des mots suivants (au moins 6)

असली/नकली	काबिलियत/अक्षमता	मूर्ख/चतुर	उचित/अनुचित	अक्लमंद/बेवकूफ़
उपस्थित/अनुपस्थित	शुरू/अंत	चतुराई/मूर्खता	अनुत्तीर्ण/उत्तीर्ण	पिपासा/भूख
कर्तव्य/अधिकार	सवाल/जवाब	दक्षिण/उत्तर	झूट/सच	रईस/गरीब

2. Quel est le sens des mots suivants (au moins 12) :

असली véritable	दिमाग intelligence	विस्मय étonnement	पुनः ensuite	रूप forme	चुटकुला blague
प्रश्न question	भार poids	हक droit	झपकना cligner	क्रोध colère	रेत sable
आवश्यकता nécessité	उपवास jeûne	रक्षा protection	दाना graine	परीक्षण essai	सिल pierre
पड़ना tomber	समस्या problème	बिल terrier	न्योता invitation	स्वीकृति permission	रस्सी corde

3. Que veulent dire les expressions suivantes (10) :

1.	भौंचक्का रह जाना être étonné	किसी की देखभाल करना s'occuper de qqn	पता चलना prendre connaissance
2.	लजिमी होना être obligatoire	महाभारत सुनाना parler trop	बाएँ हाथ का खेल facile
3.	पसीने से नहाना trempé de sueur	किसी चीज़ पर ध्यान देना faire attention	अक्ल की दाद देना apprécier l'intelligence
4.	ठहाका लगाना éclater de rire	सब कुछ संभालना gérer	इशारा करना faire signe
5.	प्राण से हाथ धोना mourir	शांत रहना rester calme	जन्मसिद्ध अधिकार droit fondamental

ब्राह्मण का सपना - पंचतंत्र की कहानियाँ

बहुत समय पहले की बात है। एक ब्राह्मण था जो भिक्षा माँगकर अपना गुजारा करता था। एक दिन उसे एक पात्र récipient भर कर आटा farine भिक्षा में मिला। वह खुशी-खुशी घर आया और अपने बिस्तर के पास ही दीवार पर भिक्षा पात्र लटका दिया।

ब्राह्मण उस भिक्षा पात्र के पास लगे बिस्तर पर सो गया और सपने देखने लगा। उसने देखा कि देश में अकाल famine पड़ा है और उसने भिक्षा पात्र में रखा आटा बहुत अधिक दाम prix लेकर बेच दिया है। फिर वह सोचने लगा कि उस पैसे से उसने एक जोड़ी couple बकरियाँ खरीदीं और उन बकरियों को खूब अच्छी तरह से खिला-पिलाकर मोटा और तंदुरुस्त balèze कर दिया है। फिर उसने सपने में देखा कि उसने अपनी बकरियाँ काफी मँहगी बेच दी हैं और सोच रहा है, "अब तो मैं दो गाएँ खरीदूँगा और वे मुझे बहुत सारा दूध देंगी। उस दूध से मैं मक्खन beurre, मलाई crème निकालूँगा और मीठी-मीठी रसवाली मिठाइयाँ बनाऊँगा।"

फिर सपना देखने लगा कि बाजार में उसकी एक बड़ी-सी दुकान हो जाएगी।

ब्राह्मण सपने देखता ही रहा। उसने देखा वह कीमती पत्थर pierre précieuse बेचनेवाला एक अमीर व्यापारी बन गया है और सपने में ही वह सोचने लगा "अब तो मैं एक बड़ा-सा मकान बनाऊँगा। जिसके चारों ओर कमल के फूलों वाला तालाब होगा। कोई भी राजकुमारी मुझसे बे-झिझक sans hésitation विवाह करने को तैयार हो जाएगी और फिर हमारे दो सुन्दर-सुन्दर बच्चे होंगे।"

"पर बच्चे बहुत शैतान होंगे, इसलिए वे मुझे ज़रूर परेशान करेंगे।" उसने मन ही मन अपने से कहा। "मैं एक छड़ी लेकर उनकी पिटाई करूँगा।" सोते-सोते ही उसने एक छड़ी bâton उठा ली और उसे हवा में घुमाने लगा। उसकी छड़ी आटे से भरे भिक्षा पात्र पर लगी और वह फूटकर नीचे गिर गया। वह सिर से पैर तक आटे से नहा गया ।

4. Répondez aux questions suivantes en français:
   1. ब्राह्मण क्या करता था ?
   2. वह अपनी बकरियाँ मँहगी कैसे बेच सका ?
   3. यह आदमी क्या से क्या बन गया ?
   4. सपने में वह कैसे मकान में रहनेवाला था ?
   5. सपने में और असलियत में क्या हुआ ?
   6. इस कहानी की सीख क्या है ?

5. Quels sont ces métiers en hindi ? (au moins 8)

Courtisan दरबारी	employé कर्मचारी	journaliste पत्रकार	écrivain लेखक	médecin डाक्टर
Pâtissier हलवाई	enseignant अध्यापक	policier पुलिसवाला	chauffeur चालक	scientifique वैज्ञानिक